भारत सरकार

ग्रामीण विकास मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4207

(19 **अगस्त**, 2025 **को उत्तर दिए जाने के लिए**)

जल शक्ति अभियान में मनरेगा की भूमिका

4207. **श्री आलोक शर्मा:**

श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालू:

क्या **ग्रामीण विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जल शक्ति अभियान-कैच द रेन (आईएसए सीटीआर) अभियान के क्रियान्वयन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) की क्या भूमिका है,

(ख) इस अभियान के अंतर्गत निर्मित जल संरक्षण परिसंपत्तियों के प्रकार और इस संबंध में अब तक किए गए व्यय का चरणवार ब्यौरा क्या है; और

(ग) विशेषरूप से आंध्र प्रदेश राज्य में जेएसए-सीटीआर अभियान के अंतर्गत सृजित परिसंपत्तियों और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री

(श्री कमलेश पासवान)

(क): जल शक्ति मंत्रालय वर्ष 2019 से वार्षिक आधार पर जल शक्ति अभियान (जेएसए) का कार्यान्वयन कर रहा है। वर्तमान वर्ष में , जल शक्ति मंत्रालय देश के सभी जिलों (ग्रामीण और शहरी दोनों) में जल शक्ति अभियान: कैच द रेन (जेएसए: सीटीआर) 2025, जो जेएसए की श्रृंखला में छठा अभियान है, का कार्यान्वयन कर रहा है। जेएसए: सीटीआर केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का एक समन्वय है। महात्मा गांधी नरेगा योजना , जेएसए: सीटीआर में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि इस योजना से प्राप्त पर्याप्त नधियों का उपयोग जेएसए: सीटीआर के तहत किए जाने वाले कार्यों के लिए किया जाता है। अभियान के तहत की गई प्रमुख पहलें इस प्रकार हैं-

1. जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन
2. पारंपरिक और अन्य जल निकायों/टैंकों का नवीनीकरण
3. पुन: उपयोग और पुनर्भरण संरचनाएं
4. वाटरशेड विकास
5. गहन वनरोपण

(ख): जेएसए-सीटीआर अभियान में जल संरक्षण कार्यकलापों के तहत बोल्डर चेक डैम , ब्रशवुड चेक डैम, सतत कंटूर ट्रेंच ट्रेंच, मिट्टी के चेक डैम, मिट्टी के कंटूर बंड, गैबियन चेक डैम, लेवल बेंच टेरेस, मैसोनरी/सीसी चेक डैम, खुले कुएं के पुनर्भरण के लिए रेत फिल्टर , ओपन वेल रिचार्ज, स्टोन बोल्डर गली प्लग, अपलैंड बेंच टेरेस जल अवशोषण ट्रेंच , मिनी परकोलेशन टैंक, पेबल कंटूर/ग्रेडेड बंड, जल संचयन तालाब, भूमिगत डाइक, मिट्टी के स्पर, पत्थर के स्पर गैबियन स्पर आदि का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

जेएसए-सीटीआर 2025 (23.03.2025 से) के दौरान, देश भर में (आंध्र प्रदेश सहित) इस अभियान पर 15,226.83 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं , जिसमें जल संरक्षण संबंधी कार्यों पर 7101.33 करोड़ रुपये (13 अगस्त 2025 तक) शामिल हैं। इसके अलावा , अभियान के तहत इस चरण में 4,55,980 जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं और आंध्र प्रदेश सहित देश भर में कुल 2,00,244 कार्य पूरे हो चुके हैं। वर्तमान में 4,36,358 कार्य प्रगति पर हैं।

(ग): आंध्र प्रदेश में जेएसए-सीटीआर 2025 अभियान के अंतर्गत सृजित परिसंपत्तियों और उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

जेएसए-सीटीआर-2025 के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में किए गए कार्यों का ब्यौरा (13 अगस्त 2025 तक की स्थिति अनुसार) - अभियान 22-03-2025 को शुरू हुआ		
जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन	शुरू किया गया	60770
	पूर्ण	15431
	चल रहे	57967
पारंपरिक और अन्य जल निकायों/टैंकों का नवीनीकरण	शुरू किया गया	18597
	पूर्ण	6792
	चल रहे	18017
पुन: उपयोग और पुनर्भरण संरचनाएं	शुरू किया गया	18326
	पूर्ण	3802
	चल रहे	18140
वाटरशेड विकास	शुरू किया गया	27435
	पूर्ण	8941
	चल रहे	25137
गहन वनरोपण	शुरू किया गया	14031
	पूर्ण	3769
	चल रहे	14028
कुल	शुरू किया गया	139159
	पूर्ण	38735
	चल रहे	133289

*चल रहे और पूर्ण हो चुके कार्यों में कुछ ऐसे कार्य भी शामिल हैं जो पिछले चरणों में लिये गए थे।

जेएसए-सीटीआर 2025 पर महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत आंध्र प्रदेश में किए गए व्यय का ब्यौरा (लाख रुपये में)	
जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन	41,370.69
पारंपरिक और अन्य जल निकायों/टैंकों का नवीनीकरण	74,571.84
पुन: उपयोग और पुनर्भरण संरचनाएं	92.43
वाटरशेड विकास	24,483.82
गहन वनरोपण	2,009.43
कुल	142,528.21